ज्ञान महाकुंभ में हरित महाकुम्भ और 'भारतीय शिक्षा: राष्ट्रीय संकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 05-10 फरवरी 2025

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

उच्च शिक्षा में महिलाओं की नेतृत्त्वकारी भूमिका से बनेगा विकसित भारत- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रयागराज परिसर के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया गया जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया. ज्ञान महाकुंभ में ही दिनांक 05-10 फरवरी तक हरित महाकुम्भ और 'भारतीय शिक्षा : राष्ट्रीय संकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया.

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने ज्ञान महाकुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, इस अलौकिक महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन अपने आप में ही अद्भुत संयोग है. इस कार्यक्रम से पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई ऊर्जा और भारतीय ज्ञान परंपरा से युक्त दिशा मिलेगी. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा में एकांगी शिक्षा नहीं दी जाती थी, परंतु आज संपूर्ण विश्व एकांगी शिक्षा व्यवस्था से ग्रसित है. हमें समाज में एक बार फिर भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना का जागरण करना होगा. विशिष्ट अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि आध्यात्म विद्या सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ है. भारतीय ज्ञान परंपरा आध्यात्म और शिक्षा का अद्भुत मिश्रण कर रही है और हमें इस परंपरा को एक बार फिर बल देना होगा.

इस आयोजन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा में शासन-प्रशासन की भूमिका विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि यदि हम विकसित भारत की बात करते हैं तो हमें माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की बात को स्मरण करना चाहिए जिसमें वे कहते हैं कि अगर हमें अपने भारत को विकसित भारत बनाना है तो हमारा शासन और प्रशासन बहुत ही चुस्त होना चाहिए. अगर हमारा प्रशासन अच्छा होगा तो हम भारत के लिए जो भी हमने सोचा है वह करने में हम सक्षम होंगे. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इफेक्टिव गवर्नेंस एंड लीडरशिप फॉर हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन की बात की गई है. जब तक हमारी लीडरशिप अच्छी नहीं होगी तब तक हम विश्वविद्यालय अथवा

किसी भी प्रकार की संस्था को आगे ले जाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे. एक नेतृत्व कर्ता के रूप में हमें एक गुड गवर्नेंस प्रेक्टिस को अपनाना चाहिए और त्वरित निर्णय पर ध्यान देना चाहिए. एक प्रशासक के सामने बहुत सी मुश्किलें आती हैं लेकिन उन मुश्किलों का सामना करने के साथ ही त्वरित निर्णय लेना चाहिए. नियमों के मौजूद होने के बावजूद कई ऐसे प्रश्न आ जाते हैं जिनके लिए नीतियाँ बनानी पड़ती हैं. कुछ केंद्रीकृत मॉडल हमें मंत्रालय उपलब्ध कराती है लेकिन संस्था या विश्वविद्यालय के स्तर पर भी हमें कुछ मॉडल्स बनाने पड़ते हैं. यही अच्छे गवर्नेंस की पहचान है.

उन्होंने कहा कि आज हम विकसित भारत के साथ ही विश्व गुरु भारत की भी बात कर रहे हैं. यह तभी संभव है जब हमारा प्रशासन बहुत अच्छा होगा. शिक्षक, स्टाफ, अधिकारी, छात्र हम सब लोगों को मिलकर ऐसा गवर्नेंस बनाना है, ऐसा वातावरण बनाना है जो समय और समाज के लिए हितकारी हो. एक महिला कुलपति होने के नाते मैं यह कहना चाहती हूँ कि उच्च शिक्षा में महिलाओं को नेतृत्त्वकारी भूमिका में और अधिक अवसर प्रदान किये जाने की आवश्यकता है. महिला नेतृत्व, सक्षम नेतृत्व है. हमें अपनी आधी आबादी की शक्ति को पहचानना होगा, उनकी क्षमता को अवसर देना होगा, उन्हें प्रोत्साहन के लिए कई स्तरों पर नीतियों का निर्माण करना होगा तभी हम गवर्नेंस को और अधिक बेहतर बना सकते हैं और विकसित भारत की संकल्पना को सम्पूर्णता में साकार होते देखेंगे.

समापन सत्र में इसरो के अध्यक्ष वी नारायण ने कहा कि मनुष्यता को प्राचीन भारत की देन अद्भुत है, सभी क्षेत्रों में भारत के योगदान को कभी नकारा नहीं जा सकता. भारत के इस अद्भुत ज्ञान का परिचय आज की युवा पीढ़ी से कराना बहुत आवश्यक है. आज हम सभी का कर्तव्य बनता है कि देश के प्राचीन ज्ञान और संस्कृति के आधार पर इसे विकसित राष्ट्र बनाएँ. समापन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि देश के शिक्षा क्षेत्र में ऐसा बदलाव चाहिए, जिससे भारत में भविष्य निर्माता, विद्यार्थियों में ज्ञान और जीवन मूल्य को स्थापित कर सके.

इस आयोजन में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विश्व जागृति फाउंडेशन के वागीश स्वरूप, विनय सहस्रबुद्धे, साध्वी ऋतंभरा, राष्ट्रीय सेविका समिति की सीता अक्का, एनआईटी प्रयागराज के निदेशक प्रो

आर.एस. शर्मा, म. प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा, हरियाणा उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो कैलाश शर्मा, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नीति आयोग के शिक्षा निदेशक डॉ. शसीमशाह, पद्मश्री आनंद कुमार आदि गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति विशेष रही.

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन

ज्ञान महाकुम्भ में दिनांक 09 फरवरी 2025 को डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों मूल्य आधारित शिक्षा: चित्त एवं चरित्र संस्कार,

भारतीय भाषालोक: वैविध्य एवं वैशिष्टय, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत: नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परम्परा: पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया. इस आयोजन में मंचसीन अतिथियों में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल भाई कोठारी, प्रख्यात शिक्षा शास्त्री के. रघुनन्दन, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और संपादन में प्रकाशित इन पुस्तकों के संपादक मंडल में प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. संजय शर्मा और डॉ. शशिकुमार सिंह हैं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समेकित करती हुई ये पुस्तकें भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतीय भाषा, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास और मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं. इस अवसर पर देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, शिक्षा प्रशासक, शिक्षक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि मौजूद रहे.

महाकुम्भ में लगा विश्वविद्यालय का स्टॉल, सुपर 30 के आनंद कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल सहित ख्यातनाम शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने किया अवलोकन

पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दी जानकारी

ज्ञान महाकुम्भ शिविर में विश्वविद्यालय का स्टॉल लगाया गया जिसमें अतिथियों, आगंतुकों, विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की गई. सुपर 30 के आनंद कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने स्टॉल का अवलोकन किया और विवि की अकादमिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विश्वविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

उच्च शिक्षा में महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका से बनेगा विकसित भारत : कुलपति

प्रयागराज में भारतीय शिक्षा राष्ट्रीय संकल्पना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया गया। इसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया। ज्ञान महाकुंभ में ही 5 से 10 फरवरी तक हरित महाकुंभ और भारतीय शिक्षा राष्ट्रीय संकल्पना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डा. अतुल कोठारी ने ज्ञान महाकुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अलौकिक महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन अपने आप में ही अद्भुत संयोग है। इस कार्यक्रम से पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई ऊर्जा और भारतीय ज्ञान परंपरा से युक्त दिशा मिलेगी। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डा. कृष्ण गोपाल ने कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा में एकांगी शिक्षा नहीं दी जाती थी, लेकिन आज संपूर्ण विश्व एकांगी शिक्षा व्यवस्था से ग्रसित है।

कार्यक्रम के दौरान विवि की कुलपति का सम्मान किया गया। ● सौजन्यः स्वयं

आध्यात्म विद्या सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ है: विशिष्ट अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि आध्यात्म विद्या सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय ज्ञान परंपरा आध्यात्म और शिक्षा का अद्भुत मिश्रण कर रही है और हमें इस परंपरा को एक बार फिर बल देना होगा। इस आयोजन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि जब तक हमारी लीडरशिप अच्छी नहीं होगी तब तक हम विश्वविद्यालय अथवा किसी भी प्रकार की संस्था को आगे ले जाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। एक नेतृत्व कर्ता के रूप में हमें एक गुड गवर्नेंस प्रेक्टिस को अपनाना चाहिए और त्वरित निर्णय पर ध्यान देना चाहिए। एक प्रशासक के सामने बहुत सी मुश्किलें आती हैं लेकिन उन मुश्किलों का सामना करने के साथ ही त्वरित निर्णय लेना चाहिए।

सभी क्षेत्रों में भारत के योगदान को कभी नकारा नहीं जा सकता : समापन सत्र में इसरो के अध्यक्ष वी नारायण ने कहा कि मनुष्यता को प्राचीन भारत की देन अद्भुत है। सभी क्षेत्रों में भारत के योगदान को कभी नकारा नहीं जा सकता। भारत के इस अद्भुत ज्ञान का परिचय आज की युवा पीढ़ी से कराना बहुत आवश्यक है। आज हम सभी का कर्तव्य बनता है कि देश के प्राचीन ज्ञान और संस्कृति के आधार पर इसे विकसित राष्ट्र बनाएं। समापन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि देश के शिक्षा क्षेत्र में ऐसा बदलाव चाहिए, जिससे भारत में भविष्य निर्माता, विद्यार्थियों में ज्ञान और जीवन मूल्य को स्थापित कर सके। इस आयोजन में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विश्व जागृति फाउंडेशन के वागीश स्वरूप, विनय सहस्त्रबुद्धे, साध्वी ऋतंभरा, राष्ट्रीय सेविका समिति की सीता अक्का, एनआइटी प्रयागराज के निदेशक प्रो आरएस शर्मा, म. प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा, हरियाणा उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो कैलाश शर्मा, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नीति आयोग के शिक्षा निदेशक डा. शसीमशाह, पद्मश्री आनंद कुमार आदि की उपस्थिति विशेष रही।

दैनिक सागर दिनकर
www.sagardinkar.com
सागर। शनिवार । 15.02.2025

उच्च शिक्षा में महिलाओं को नेतृत्त्वकारी भूमिका से बनेगा विकसित भारतः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर दिनकर

सागर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया गया। जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया। ज्ञान महाकुंभ में ही दिनांक 05-10 फरवरी तक हरित महाकुम्भ और 'भारतीय शिक्षा- राष्ट्रीय संकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने ज्ञान महाकुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, इस अलौकिक महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन अपने आप में ही अद्भुत संयोग है। इस कार्यक्रम से पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई ऊर्जा और भारतीय ज्ञान परंपरा से युक्त दिशा मिलेगी. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा में एकांगी शिक्षा नहीं दी जाती थी, परंतु आज संपूर्ण विश्व एकांगी शिक्षा व्यवस्था से ग्रसित है. हमें समाज में एक बार फिर भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना का जागरण करना होगा। विशिष्ट अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि आध्यात्म विद्या सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ है. भारतीय ज्ञान परंपरा आध्यात्म और शिक्षा का अद्भुत मिश्रण कर रही है और हमें इस परंपरा को एक बार फिर बल देना होगा।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा में शासन-प्रशासन की भूमिका विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि यदि हम विकसित भारत की बात करते हैं तो हमें प्रधानमंत्री श्री मोदी की बात को स्मरण करना चाहिए जिसमें वे कहते हैं कि अगर हमें अपने भारत को विकसित भारत बनाना है तो हमारा शासन और प्रशासन बहुत ही चुस्त होना चाहिए. अगर हमारा प्रशासन अच्छा होगा तो हम भारत के लिए जो भी हमने सोचा है। वह करने में हम सक्षम होंगे. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इफेक्टिव गवर्नेंस एंड लीडरशिप फॉर हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन की बात की गई है। जब तक हमारी लीडरशिप अच्छी नहीं होगी तब तक हम विश्वविद्यालय अथवा किसी भी प्रकार की संस्था को आगे ले जाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। एक नेतृत्व कर्ता के रूप में हमें एक गुड गवर्नेंस प्रेक्टिस को अपनाना चाहिए और त्वरित निर्णय पर ध्यान देना चाहिए। एक प्रशासक के सामने बहुत सी मुश्किलें आती हैं। लेकिन उन मुश्किलों का सामना करने के साथ ही त्वरित निर्णय लेना चाहिए. नियमों के मौजूद होने के बावजूद कई ऐसे प्रश्न आ जाते हैं जिनके लिए नीतियाँ बनानी पड़ती हैं। कुछ केंद्रीकृत मॉडल हमें मंत्रालय उपलब्ध कराती है लेकिन संस्था या विश्वविद्यालय के स्तर पर भी हमें कुछ मॉडल्स बनाने पड़ते हैं, यही अच्छे गवर्नेंस की पहचान है।

उन्होंने कहा कि आज हम विकसित भारत के साथ ही विश्व गुरु भारत की भी बात कर रहे हैं। यह तभी संभव है जब हमारा प्रशासन बहुत अच्छा होगा। शिक्षक, स्टाफ, अधिकारी, छात्र हम सब लोगों को मिलकर ऐसा गवर्नेंस बनाना है, ऐसा वातावरण बनाना है जो समय और समाज के लिए हितकारी हो। एक महिला कुलपति होने के नाते मैं यह कहना चाहती हूँ कि उच्च शिक्षा में महिलाओं को नेतृत्त्वकारी भूमिका में और अधिक अवसर प्रदान किये जाने की आवश्यकता है। महिला नेतृत्व, सक्षम नेतृत्व है। हमें अपनी आधी आबादी की शक्ति को पहचानना होगा, उनकी क्षमता को अवसर देना होगा, उन्हें प्रोत्साहन के लिए कई स्तरों पर नीतियों का निर्माण करना होगा तभी हम गवर्नेंस को और अधिक बेहतर बना सकते हैं और विकसित भारत की संकल्पना को सम्पूर्णता में साकार होते देखेंगे।

समापन सत्र में इसरो के अध्यक्ष वी नारायण ने कहा कि मनुष्यता को प्राचीन भारत की देन अद्भुत है, सभी क्षेत्रों में भारत के योगदान को कभी नकारा नहीं जा सकता। भारत के इस अद्भुत ज्ञान का परिचय आज की युवा पीढ़ी से कराना बहुत आवश्यक है।

आज हम सभी का कर्तव्य बनता है कि देश के प्राचीन ज्ञान और संस्कृति के आधार पर इसे विकसित राष्ट्र बनाएँ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि देश के शिक्षा क्षेत्र में ऐसा बदलाव चाहिए, जिससे भारत में भविष्य निर्माता, विद्यार्थियों में ज्ञान और जीवन मूल्य को स्थापित कर सके।

इस आयोजन में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विश्व जागृति फाउंडेशन के वागीश स्वरूप, विनय सहस्त्रबुद्धे, साध्वी ऋतंभरा, राष्ट्रीय सेविका समिति की सीता अक्का, एनआईटी प्रयागराज के निदेशक प्रो आर.एस. शर्मा, म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा, हरियाणा उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो कैलाश शर्मा, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नीति आयोग के शिक्षा निदेशक डॉ. शसीमशाह, पद्मश्री आनंद कुमार आदि गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति विशेष रही।

उच्च शिक्षा में महिलाओं की नेतृत्त्वकारी भूमिका से बनेगा विकसित भारत- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रयागराज परिसर के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया गया। जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया। ज्ञान महाकुंभ में ही दिनांक 05-10 फरवरी तक हरित महाकुम्भ और भारतीय शिक्षा राष्ट्रीय संकल्पना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने ज्ञान महाकुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अलौकिक महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन अपने आप में ही अद्भुत संयोग है। इस कार्यक्रम से पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई ऊर्जा और भारतीय ज्ञान परंपरा से युक्त दिशा मिलेगी. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा में एकांगी शिक्षा नहीं दी जाती थी, परंतु आज संपूर्ण विश्व एकांगी शिक्षा व्यवस्था से ग्रसित है। हमें समाज में एक बार फिर भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना का जागरण करना होगा। विशिष्ट अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि आध्यात्म विद्या सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय ज्ञान परंपरा आध्यात्म और शिक्षा का अद्भुत मिश्रण कर रही है और हमें इस परंपरा को एक बार फिर बल देना होगा. इस आयोजन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा में शासन-प्रशासन की भूमिका विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि हम यदि हम विकसित भारत की बात करते हैं तो हमें माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी की बात को स्मरण करना चाहिए जिसमें वे कहते हैं कि अगर हमें अपने भारत को विकसित भारत बनाना है तो हमारा शासन और प्रशासन बहुत ही चुस्त होना चाहिए। अगर हमारा प्रशासन अच्छा होगा तो हम भारत के लिए जो भी हमने सोचा है वह करने में हम सक्षम होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इफेक्टिव गवर्नेंस एंड लीडरशिप फॉर हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन की बात की गई है। जब तक हमारी लीडरशिप अच्छी नहीं होगी तब तक हम विश्वविद्यालय अथवा किसी भी प्रकार की संस्था को आगे ले जाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। एक नेतृत्व कर्ता के रूप में हमें एक गुड गवर्नेंस प्रेक्टिस को अपनाना चाहिए और त्वरित निर्णय पर ध्यान देना चाहिए। एक प्रशासक के सामने बहुत सी मुश्किलें आती हैं लेकिन उन मुश्किलों का सामना करने के साथ ही त्वरित निर्णय लेना चाहिए। नियमों के मौजूद होने के बावजूद कई ऐसे प्रश्न आ जाते हैं जिनके लिए नीतियाँ बनानी पड़ती हैं. कुछ केंद्रीकृत मॉडल हमें मंत्रालय उपलब्ध कराती है लेकिन संस्था या विश्वविद्यालय के स्तर पर भी हमें कुछ मॉडल्स बनाने पड़ते हैं. यही अच्छे गवर्नेंस की पहचान है। उन्होंने कहा कि आज हम विकसित भारत के साथ ही विश्व गुरु भारत की भी बात कर रहे हैं। यह तभी संभव है जब हमारा प्रशासन बहुत अच्छा होगा. शिक्षक, स्टाफ, अधिकारी, छात्र हम सब लोगों को मिलकर ऐसा गवर्नेंस बनाना है, ऐसा वातावरण बनाना है जो समय और समाज के लिए हितकारी हो। एक महिला कुलपति होने के नाते मैं यह कहना चाहती हूँ कि उच्च शिक्षा में महिलाओं को नेतृत्त्वकारी भूमिका में और अधिक अवसर प्रदान किये जाने की आवश्यकता है। महिला नेतृत्व, सक्षम नेतृत्व है। हमें अपनी आधी आबादी की शक्ति को पहचानना होगा, उनकी क्षमता को अवसर देना होगा, उन्हें प्रोत्साहन के लिए कई स्तरों पर नीतियों का निर्माण करना होगा तभी हम गवर्नेंस को और अधिक बेहतर बना सकते हैं और विकसित भारत की संकल्पना को सम्पूर्णता में साकार होते देखेंगे। इस आयोजन में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विश्व जागृति फाउंडेशन के वागीश स्वरूप, विनय सहस्त्रबुद्धे, साध्वी ऋतंभरा, राष्ट्रीय सेविका समिति की सीता अक्का, एनआईटी प्रयागराज के निदेशक प्रो आर.एस. शर्मा, म. प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा, हरियाणा उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो कैलाश शर्मा, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नीति आयोग के शिक्षा निदेशक डॉ. शसीमशाह, पद्मश्री आनंद कुमार आदि गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति विशेष रही। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन किया गया।

विवि में गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन

स्टाल में पुस्तकों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थी। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : प्रयागराज महाकुंभ में आयोजित ज्ञान महाकुंभ में सोमवार को डाक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वाविद्यालय सागर द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन किया गया।, कार्यक्रम में मंचसीन अतिथियों में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डा. अतुल भाई कोठारी, शिक्षा शास्त्री के रघुनंदन, डा. हरीसिंह गौर विवि सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया। मूल्य आधारित शिक्षाः चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक : वैविध्य एवं वैशिष्टय, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारतः नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परंपरा पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और संपादन में प्रकाशित इन पुस्तकों के संपादक मंडल में प्रो अजीत जायसवाल, डा. अनिल तिवारी, डा. संजय शर्मा और डा. शशिकुमार सिंह हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समेकित करती हुई ये पुस्तकें भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय भाषा, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास और मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं। इस अवसर पर में देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, शिक्षा प्रशासक, शिक्षक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

महाकुंभ में लगा विवि का स्टाल, विद्यार्थियों ने किया अवलोकन : ज्ञान महाकुंभ शिविर में विश्वा विद्यालय का स्टाल लगाया गया जिसमें अतिथियों, आगतुकों, विद्यार्थियों को विश्वाविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दी जानकारी प्रदान की गई। सुपर 30 के आनंद कुमार, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने स्टाल का अवलोकन किया और विवि की अकादमिक व सह शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली।

उच्च शिक्षा में महिलाओं को नेतृत्तवकारी भूमिका से बनेगा विकसित भारतः कुलपति

सागर(एसबीन्यूज)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया गया जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया. ज्ञान महाकुंभ में ही दिनांक 05-10 फरवरी तक हरित महाकुम्भ और 'भारतीय शिक्षा राष्ट्रीय संकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने ज्ञान महाकुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, इस अलौकिक महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन अपने आप में ही अद्भुत संयोग है. इस कार्यक्रम से पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई ऊर्जा और भारतीय ज्ञान परंपरा से युक्त दिशा मिलेगी. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा में एकांगी शिक्षा नहीं दी जाती थी, परंतु आज संपूर्ण विश्व एकांगी शिक्षा व्यवस्था से ग्रसित है. हमें समाज में एक बार फिर भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना का जागरण करना होगा. विशिष्ट अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि आध्यात्म विद्या सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ है. भारतीय ज्ञान परंपरा आध्यात्म और शिक्षा का अद्भुत मिश्रण कर रही है और हमें इस परंपरा को एक बार फिर बल देना होगा। इस आयोजन में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विश्व जागृति फाउंडेशन के वागीश स्वरूप, विनय सहस्त्रबुद्धे, साध्वी ऋतंभरा, राष्ट्रीय सेविका समिति की सीता अक्का, एनआईटी प्रयागराज के निदेशक प्रो आर.एस. शर्मा, म. प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा, हरियाणा उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो कैलाश शर्मा, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नीति आयोग के शिक्षा निदेशक डॉ. शसीमशाह, पद्मश्री आनंद कुमार आदि गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति विशेष रही।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन

ज्ञान महाकुम्भ में 09 फरवरी 2025 को डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों मूल्य आधारित शिक्षा- चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक- वैविध्य एवं वैशिष्ट्य, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत- नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परम्परा- पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

ज्ञान महाकुम्भ शिविर में विश्वविद्यालय का स्टॉल लगाया गया जिसमें अतिथियों, आगंतुकों, विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विश्वविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पत्रिका

अच्छी लीडरशिप से सक्षम बनती है संस्था

सागर. शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रयागराज परिसर में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया गया। भारतीय शिक्षा राष्ट्रीय संकल्पना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी शामिल हुई। उन्होंने कहा कि अगर हमें अपने भारत को विकसित भारत बनाना है, तो हमारा शासन और प्रशासन बहुत ही चुस्त होना चाहिए।

ज्ञान महाकुंभ में गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की 4 पुस्तकों का विमोचन

सागर, देशबन्धु। प्रयागराज महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित ज्ञान महाकुंभ में डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन किया गया। विमोचन समारोह में प्रमुख शिक्षाविद, कुलपति एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इन पुस्तकों में मूल्य आधारित शिक्षारू चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक वैविध्य एवं वैशिष्ट्य, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारतरू नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परंपरा पद्धति एवं विमर्श शामिल हैं। ये पुस्तकें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समाहित करते हुये भारतीय ज्ञान परंपरा, भाषा, चरित्र निर्माण एवं मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं। विमोचन समारोह में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल भाई कोठारी, प्रख्यात शिक्षाशास्त्री के रघुनंदन, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। पुस्तकों के संपादन मंडल में प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. संजय शर्मा और डॉ. शशिकुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, प्रशासक, शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

'भारतीय शिक्षा, राष्ट्रीय संकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

आचरण संवाददाता

सागर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ का आयोजन 10 जनवरी से 10 फरवरी तक किया गया जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया. ज्ञान महाकुंभ में ही दिनांक 05-10 फरवरी तक हरित महाकुम्भ और 'भारतीय शिक्षा = राष्ट्रीय संकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने ज्ञान महाकुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, इस अलौकिक महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन अपने आप में ही अद्भुत संयोग है. इस कार्यक्रम से पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई ऊर्जा और भारतीय ज्ञान परंपरा से युक्त दिशा मिलेगी. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा में एकांगी शिक्षा नहीं दी जाती थी, परंतु आज संपूर्ण विश्व एकांगी शिक्षा व्यवस्था से ग्रसित है. हमें समाज में एक बार फिर भारतीय ज्ञान परंपरा की चेतना का जागरण करना होगा. विशिष्ट अतिथि यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि आध्यात्म विद्या सभी विधाओं में सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय ज्ञान परंपरा आध्यात्म और शिक्षा का अद्भुत मिश्रण कर रही है और हमें इस परंपरा को एक बार फिर बल देना होगा। इस आयोजन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शिक्षा में शासन-प्रशासन की भूमिका विषय पर वक्तव्य दिया।

समापन सत्र में इसरो के अध्यक्ष वी नारायण ने कहा कि मनुष्यता को प्राचीन भारत की देन अद्भुत है, समापन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि देश के शिक्षा क्षेत्र में ऐसा बदलाव चाहिए, जिससे भारत में भविष्य निर्माता, विद्यार्थियों में ज्ञान और जीवन मूल्य को स्थापित कर सके।

इस आयोजन में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विश्व जागृति फाउंडेशन के वागीश स्वरूप, विनय सहस्त्रबुद्धे, साध्वी ऋतंभरा, राष्ट्रीय सेविका समिति की सीता अक्का, एनआईटी प्रयागराज के निदेशक प्रो आर.एस. शर्मा, म. प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, राजस्थान उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा, हरियाणा उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो कैलाश शर्मा, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नीति आयोग के शिक्षा निदेशक डॉ. शसीमशाह, पद्मश्री आनंद कुमार आदि गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति विशेष रही।

दैनिक भास्कर

गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार पुस्तकों का विमोचन

सागर | प्रयागराज महाकुंभ में आयोजित ज्ञान महाकुंभ में रविवार को डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार मवीनतम पुस्तकों का विमोचन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। आयोजन में मंचासीन अतिथियों में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल भाई कोठारी, प्रख्यात शिक्षा शास्त्री के रघुनन्दन, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया। कुलपति प्रो. गुप्ता के नेतृत्व और संपादन में प्रकाशित इन पुस्तकों के संपादक मंडल में प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. संजय शर्मा और डॉ. शशिकुमार सिंह रहे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समेकित करती हुई ये पुस्तकें भारतीय ज्ञान, परम्परा, भाषा, चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास एवं मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं। इस दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डॉ. गौर केंद्रीय विवि द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन

सागर। प्रयागराज महाकुम्भ में आयोजित ज्ञान महाकुम्भ में डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों मूल्य आधारित शिक्षाः चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक : वैविध्य एवं वैशिष्ट्य, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारतः नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परम्परा : पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस आयोजन में मंचसीन अतिथियों में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल भाई कोठारी, प्रख्यात शिक्षा शास्त्री के. रघुनन्दन, डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और संपादन में प्रकाशित इन पुस्तकों के संपादक मंडल में प्रो अजीत जायसवाल, डॉ अनिल तिवारी, डॉ संजय शर्मा और डॉ शशिकुमार सिंह हैं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समेकित करती हुई ये पुस्तकें भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतीय भाषा, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास और मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं। इस अवसर पर में देश के कई प्रतिष्ठित विश्वाविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, शिक्षा प्रशासक, शिक्षक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ज्ञान महाकुम्भ : गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन हुआ

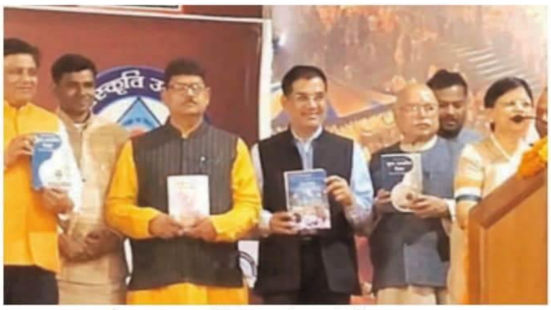

गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया।

सागर(एसबीन्यूज)। हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों मूल्य आधारित शिक्षा- चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक- वैविध्य एवं वैशिष्ट्य, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत- नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परम्परा- पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया. इस आयोजन में मंचसीन अतिथियों में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल भाई कोठारी, प्रख्यात शिक्षा शास्त्री के. रघुनन्दन, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और संपादन में प्रकाशित इन पुस्तकों के संपादक मंडल में प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. संजय शर्मा और डॉ. शशिकुमार सिंह हैं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समेकित करती हुई ये पुस्तकें भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतीय भाषा, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास और मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं। इस अवसर पर देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, शिक्षा प्रशासक, शिक्षक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि मौजूद रहे। महाकुम्भ में लगा विश्वविद्यालय का स्टॉल, सुपर 30 के आनंद कुमार सहित ख्यातनाम शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने किया अवलोकन पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दी जानकारी ।

चार नवीन पुस्तकों का विमोचन

सागर . डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों मूल्य आधारित शिक्षा चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक वैविध्य एवं वैशिष्ट्य, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परंपरा पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया . इस आयोजन में डॉ . अतुल भाई कोठारी, के . रघुनन्दन, कुलपति प्रो . नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया .

डॉ. गौर केंद्रीय विवि द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन

<u>दबंग बुन्देलखण्ड</u>

सागर। प्रयागराज महाकुम्भ में आयोजित ज्ञान महाकुम्भ में दिनांक 09 फरवरी 2024 को डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वाविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों मूल्य आधारित शिक्षाः चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक : वैविध्य एवं वैशिष्ट्य, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारतः नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परम्परा : पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस आयोजन में मंचसीन अतिथियों में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल भाई कोठारी, प्रख्यात शिक्षा शास्त्री के. रघुनन्दन, डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और संपादन में प्रकाशित इन पुस्तकों के संपादक मंडल में प्रो अजीत जायसवाल, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. संजय शर्मा और डॉ शशिकुमार सिंह हैं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समेकित करती हुई ये पुस्तकें भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतीय भाषा, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास और मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं। इस अवसर पर में देश के कई प्रतिष्ठित विश्वाविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, शिक्षा प्रशासक, शिक्षक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि मौजूद रहे।महाकुम्भ में लगा विवि का स्टॉल, सुपर 30 के आनंद कुमार सहित ख्यातनाम शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने किया अवलोकन

पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दी जानकारी

ज्ञान महाकुम्भ शिविर में विश्वाविद्यालय का स्टॉल लगाया गया जिसमें अतिथियों, आगतुकों, विद्यार्थियों को विश्वाविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दी जानकारी प्रदान की गई। सुपर 30 के आनंद कुमार, देश के विभिन्न विश्वाविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने स्टॉल का अवलोकन किया और विवि की अकादमिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विवि शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ज्ञान महाकुम्भ: डॉ. गौर केंद्रीय विवि द्वारा प्रकाशित

गौर ज्ञान संगम श्रृंखला की चार नवीनतम पुस्तकों का विमोचन

आचरण संवाददाता

सागर। प्रयागराज महाकुम्भ में आयोजित ज्ञान महाकुम्भ में दिनांक 09 फरवरी 2024 को डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित गौर ज्ञान श्रृंखला के अंतर्गत चार नवीनतम पुस्तकों मूल्य आधारित शिक्षा चित्त एवं चरित्र संस्कार, भारतीय भाषालोक = वैविध्य एवं वैशिष्ट्य, शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत नीति से निर्मिति, भारतीय ज्ञान परम्परा = पद्धति एवं विमर्श का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया. इस आयोजन में मंचसीन अतिथियों में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल भाई कोठारी, प्रख्यात शिक्षा शास्त्री के. रघुनन्दन, डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकों का विमोचन किया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व और संपादन में प्रकाशित इन पुस्तकों के संपादक मंडल में प्रो अजीत जायसवाल, डॉ अनिल तिवारी, डॉ संजय शर्मा और डॉ शशिकुमार सिंह हैं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों को समेकित करती हुई ये पुस्तकें भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतीय भाषा, चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास और मूल्य शिक्षा पर केंद्रित हैं। इस अवसर पर में देश के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद, शिक्षा प्रशासक, शिक्षक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

महाकुम्भ में लगा विवि का स्टॉल, सुपर 30 के आनंद कुमार सहित ख्यातनाम शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने किया अवलोकन।

पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दी जानकारी

ज्ञान महाकुम्भ शिविर में विश्वविद्यालय का स्टॉल लगाया गया जिसमें अतिथियों, आगतुकों, विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की दी जानकारी प्रदान की गई. सुपर 30 के आनंद कुमार, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने स्टॉल का अवलोकन किया और विवि की अकादमिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विवि शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर
असतो मा सद्गमय